एकता का नेतृत्व करना

Leading Unity

उद्देश्य (OBJECTIVE)

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि नेता **स्वस्थ और एकतायुक्त कलीसियाओं** का निर्माण करें, जो परमेश्वर के राज्य को प्रभावशाली रूप से आगे बढ़ाएं।

एक आगुआ के रूप में हमें केवल **सहनशीलता** (tolerance) तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमें **सच्ची एकता** को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए — जो परमेश्वर की उपस्थिति और आशीष से भरी हो।

जब हम **बाइबल आधारित एकता** को गहराई से समझते हैं और कलीसिया में इसकी महत्ता को पहचानते हैं, तो हम एक ऐसी कलीसिया का निर्माण कर सकते हैं जो संसार के लिए **शक्तिशाली गवाही** बने।

यह सिखावन **यूहन्ना 17** में यीशु की प्रार्थना और **अक्षम क्षमा करने वाले दास** की दृष्टांत से प्रेरित है।

सारांश (OVERVIEW)

- **एकता का महत्व:**
    - **एकमतता (Alignment)** और **एकता (Unity)** में अंतर
    - यीशु की प्रार्थना (यूहन्ना 17) के माध्यम से बाइबल आधारित एकता को समझना
- **सच्ची एकता का स्वरूप (और क्या नहीं है):**
    - एकता का मतलब **एकरूपता (Uniformity)** या **पूर्ण सहमति (Unanimity)** नहीं है
    - एकता **परमेश्वर का वरदान** है, न कि हमारा निर्माण
    - एकता **संबंधों पर आधारित** है — इसमें **उपस्थिति और आशीष** होती है
- **एकता का प्रभाव:**
    - एकता **आहत व्यक्ति** और **आहत करने वाले व्यक्ति** दोनों को चंगाई देती है
    - एकता **विभाजित संसार** के लिए एक शक्तिशाली गवाही है

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- यूहन्ना 17
- इफिसियों 4:3
- मत्ती 18:32

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. आपने अपनी सेवकाई में **एकता और सहनशीलता** के बीच क्या अंतर देखा है?

2. आपने किन तरीकों से अपनी कलीसिया में **एकता** या **विभाजन** में योगदान दिया है?

3. कलीसिया में एकता आपके समाज में कलीसिया के प्रभाव को कैसे बढ़ा सकती है?

4. आप अपनी कलीसिया के क्षेत्र में एकता को बढ़ाने के लिए कौन-से **व्यावहारिक कदम** उठा सकते हैं?

5. इस सप्ताह आप **एकता बढ़ाने के लिए एक व्यावहारिक कार्य** क्या कर सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- मत्ती 18
- इफिसियों 4:1-6
- फिलिप्पियों 2:1-4